भारत – क्रोएशिया संबंध

पृष्ठभूमि

पूर्व युगोस्लाविया (एस एफ आर वाई) के समय से ही भारत और क्रोएशिया के मध्य संबंध मित्रवत रहा है। मार्शल टीटो, जो क्रोएशियाई थे, जिन्होंने तीन साल दशक से अधिक समय तक युगोस्लाविया पर शासन किया, ने तत्कालीन भारतीय नेतृत्व के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए रखा। नेहरू एवं टीटो गुट निरपेक्ष आंदोलन के पथ प्रदर्शक भी थे। द्विपक्षीय व्यापार संबंधों में क्रोएशिया का दबदबा था क्योंकि भारत और पूर्व यूगोस्लाविया के बीच दो तिहाई से अधिक व्यापार यहां से होता था। इसमें भारत द्वारा 1970 और 1980 के दशकों में बड़े पैमाने पर क्रोएशिया के पोतों की खरीद शामिल थी।

2. भारत ने मई 1992 में क्रोएशिया को मान्यता दी तथा 9 जुलाई 1992 को इसके साथ अपने राजनयिक संबंधों की स्थापना की। क्रोएशिया ने फरवरी 1995 में नई दिल्ली में अपना रेजीडेंट मिशन खोला। जगरेब में भारतीय मिशन 28 अप्रैल 1996 को खोला गया तथा जनवरी 1998 में राजदूत के स्तर पर इसे अपग्रेड किया गया। राजनीतिक स्तर पर द्विपक्षीय संबंध मधुर हैं परंतु टीटो युग के बाद आर्थिक संबंध काफी पिछड़ गए हैं। क्रोएशिया का नई सरकार (नवंबर 2015 में संसदीय चुनावों के बाद) के प्रधानमंत्री ऐसे व्यक्ति हैं जो उद्योग जगत से हैं तथा बहुत अर्थोन्मुख हैं – जिससे द्विपक्षीय संबंध को आर्थिक आयाम प्रदान करने में मदद मिलेगी। बहुपक्षीय स्तर भी पर दोनों देशों के बीच अच्छा सहयोग है।

राजनीतिक संबंध

3. वी वी आई पी यात्राएं

(क) क्रोएशिया की ओर से :

कोएशिया के पूर्व राष्ट्रपति स्टेजेपन मेसिक ने 12 से 16 नवंबर 2002 के दौरान भारत का राजकीय दौरा किया। जारी किए गए संयुक्त वक्तव्य में क्रोएशिया ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के लिए भारत की दावेदारी के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया था।

(ख) भारत की ओर से यात्रांए :

उप राष्ट्रपति एम हामिद अंसारी ने क्रोएशिया के राष्ट्रपति यूवो जोसीपोविक के निमंत्रण पर 9 से 11 जून 2010 के दौरान क्रोएशिया का दौरा किया।

4. मंत्री स्तरीय यात्राएं :

(क) क्रोएशिया की ओर से :

(1) विदेश मंत्री डा. जवोनिमिर सेपारोविक ने अप्रैल 1992 में भारत की यात्रा की।
(2) उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री डा. माटे ग्रेनिक ने अप्रैल 1995 में भारत का दौरा किया।

(3) वित्त मंत्री नेनाद पोर्गेस ने नवंबर 1998 में भारत का दौरा किया।
(4 संस्कृति मंत्री बोजो बिसकूपिक ने मार्च 1998 में भारत का दौरा किया।
(5) उप प्रधानमंत्री डा. गोरन ग्रेनिक ने नवंबर 2000 में भारत का दौरा किया।
(6) विदेश मंत्री टोनिनो पिकूला ने मई 2001 में भारत का दौरा किया।
(7) पर्यटन मंत्री सुश्री पावे जुपान रुस्कोविक ने सितंबर 2003 में भारत का दौरा किया।

(ख) भारत की ओर से यात्रांए :

(1) वाणिज्य मंत्री श्री प्रणब मुखर्जी ने सितंबर 1994 में क्रोएशिया का दौरा किया।
(2) वाणिज्य राज्य मंत्री डा. बी बी रमैया ने सितंबर 1997 में क्रोएशिया का दौरा किया।
(3) पोत परिवहन मंत्री श्री शत्रुघ्न सिन्हा ने अगस्त 2003 में क्रोएशिया का दौरा किया।
(4) विदेश राज्य मंत्री श्री दिग्विजय सिंह ने सितंबर 2003 में क्रोएशिया का दौरा किया।
(5) पर्यटन एवं संस्कृति तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री श्रीमती भावनाबेन चिखलिया ने अक्टूबर 2003 में क्रोएशिया का दौरा किया।
(6) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्री श्री कपिल सिबल ने फरवरी 2007 में में क्रोएशिया का दौरा किया।
(7) विदेश राज्य मंत्री श्री आनंद शर्मा ने सितंबर 2007 में क्रोएशिया का दौरा किया।
(8) विदेश राज्य मंत्री श्रीमती प्रणीत कौर ने फरवरी 2014 में क्रोएशिया का दौरा किया।

5. संसदीय शिष्टमंडल

(क) क्रोएशिया की ओर से :

(1) क्रोएशियाई संसद (साबोर) के तत्कालीन कार्यवाहक अध्यक्ष श्री व्लादिमिर सेक्स ने मार्च 1999 के दौरान भारत का दौरा किया।
(2) क्रोएशियाई संसद के उपाध्यक्ष टोमाक ने जनवरी 2003 में भारत का दौरा किया।
(3) संसद सदस्य सुश्री मारीजा लुगारिक ने जनवरी 2007 में भारत का दौरा किया।
(4) संसद सदस्य एवं मानव एवं राष्ट्रीय अल्पसंख्यक अधिकार समिति के अध्यक्ष डा. फूरिया राडिन ने फरवरी 2008 में भारत का दौरा किया।
(5) संसद अध्यक्ष श्री लुका बेबिक के नेतृत्व में 6 सदस्यीय संसदीय शिष्टमंडल ने 6 से 10 मार्च 2010 के दौरान भारत का दौरा किया।

भारत की ओर से :

(1) लोक सभा अध्यक्ष श्री पी ए संगमा ने जुलाई 1997 में क्रोएशिया का दौरा किया।
(2) लोक सभा अध्यक्ष श्री मनोहर जोशी ने जुलाई 2002 में क्रोएशिया का दौरा किया।

6. विदेश कार्यालय परामर्श **:**

विदेश कार्यालय परामर्श (एफ ओ सी) के लिए प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर अप्रैल 1995 में किया गया। अब तक वैकल्पिक तौर पर जगरेब एवं नई दिल्ली में 9 विदेश कार्यालय परामर्श का आयोजन हो

चुका है। भारत - क्रोएशिया एफ ओ सी के पिछले चक्र का आयोजन नई दिल्ली में 6 मई 2011 को हुआ। अगली बैठक 2016 में जगरेब में होनी है।

7. द्विपक्षीय करार **/** एम ओ यू

(क) करार **:**

(i) व्यापार एवं आर्थिक सहयोग करार (1994) (इसे नवीकृत किया जा रहा है; हस्ताक्षर के लिए तैयार है)
(ii) समुद्री परिवहन करार (1997)
(iii) संस्कृति, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, शिक्षा एवं खेल के क्षेत्र में सहयोग के लिए करार (1999)

(v) क्रोएशिया के विदेश मंत्रालय की राजनयिक अकादमी तथा भारत के विदेश मंत्रालय के विदेश सेवा संस्थान (एफ एस आई) के बीच सहयोग के लिए करार (2000)
(v) हवाई सेवा करार (2000) (कोड शेयर करने की व्यवस्था को अंतिम रूप देने के लिए इसे संशोधित किया जा रहा है)
(vi) द्विपक्षीय निवेश संरक्षण करार (2001) (इसे नए बी आई टी फार्मेट के तहत नवीकृत किया जा रहा है)
(vii) स्वापक औषधियों के अंतर्राष्ट्रीय दुर्व्यापार, आतंकवाद आदि के खिलाफ संघर्ष में सहयोग के लिए करार (2001)
(viii) कृषि सहयोग पर करार (2002)
(ix) राजनयिक एवं आधिकारिक / सेवा पासपोर्ट धारकों के लिए वीजा से छूट के लिए करार (2007)
(x) स्वास्थ्य एवं दवा के क्षेत्र में सहयोग के लिए करार (जून 2010)
(xi) दोहरे कराधान के परिहार के लिए करार (फरवरी 2014)

(ख) एम ओ यू **:**

(i) भारत के एग्जिम बैंक तथा क्रोएशिया के पुनर्निर्माण एवं विकास बैंक (एच बी ओ आर) के बीच एम ओ यू (2000)
(ii) एक्सपोर्ट क्रेडिट एवं गारंटी कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ई सी जी सी) और क्रोएशिया के पुनर्निर्माण एवं विकास बैंक (एच बी ओ आर) के बीच एम ओ यू (2002)
(iii) सूचना प्रौद्योगिकी में सहयोग के लिए एम ओ यू : इस पर भारत के इलेक्ट्रानिक्स एवं कंप्यूटर सॉफ्टवेयर निर्यात संवर्धन परिषद तथा क्रोएशिया की सूचना प्रौद्योगिकी सोसाइटी द्वारा किया गया (2004)
(iv) 2005-07 के लिए संस्कृति के क्षेत्र में विनिमय कार्यक्रम (2005)
(v) 2005-08 के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग कार्यक्रम (2005)।
(vi) शैक्षिक विनिमय कार्यक्रम (2006) (नवीकरण के लिए विचाराधीन है)
(vii) 2010-12 के लिए संस्कृति के क्षेत्र में सहयोग कार्यक्रम (जून 2010) (नवीकृत किया जा रहा है)

आर्थिक एवं वाणिज्यिक संबंध

8. क्रोएशिया मझोले दर्जे की अर्थव्यवस्था है जिसके जी डी पी का अनुमानित मूल्य 48.546 बिलियन अमरीकी डॉलर (2015) तथा प्रति व्यक्ति आय 22,639 (2015) अमरीकी डॉलर है। इसके विदेश व्यापार का अनुमानित मूल्य 27.44 बिलियन अमरीकी डॉलर है जिसमें इसके आयात का मूल्य 17.1 बिलियन अमरीकी डॉलर और निर्यात का मूल्य 10.34 बिलियन अमरीकी डॉलर (2014) है। यूरोपीय संघ तथा बाल्कान देश इसके मुख्य व्यापार साझेदार हैं, तथा चीन इसका अपवाद है जो क्रोएशिया के लिए एक प्रमुख निर्यातक के रूप में उभरा है।

9. क्रोएशिया के भारत का व्यापार साधारण है। 2013 में 79.49 मिलियन यूरो की तुलना में 2014 के लिए इसका मूल्य 101.69 मिलियन यूरो था जो 27.91 प्रतिशत वृद्धि को दर्शाता है। जनवरी से सितंबर 2015 की अवधि के दौरान, भारत के निर्यात का मूल्य 78.8 मिलियन यूरो था जो पिछले वर्ष की समतुल्य अवधि की तुलना में 20.30 प्रतिशत अधिक है तथा आयात का मूल्य 14.22 मिलियन यूरो था जो पिछले वर्ष की समतुल्य अवधि की तुलना में 36.33 अधिक है। वस्त्र, लेदर, भेषज पदार्थ, कॉफी, चाय, औद्योगिक एवं विद्युत मशीनरी जैसे क्षेत्रों में भारत के निर्यात में वृद्धि की गुंजाइश है। क्रोएशिया के प्रमुख बंदरगाहों जैसे कि रिजेका एवं प्लोस का उपयोग करके दक्षिण पूर्व के यूरोपीय बाजारों में गेटवे के रूप में क्रोएशिया का प्रयोग करने के लिए भी भारत के लिए अवसर उपलब्ध हैं।

10. क्रोएशिया के साथ भारत के व्यापार के आंकड़े नीचे दिए गए हैं :

भारत - क्रोएशिया द्विपक्षीय व्यापार

(मिलियन में)

वर्ष	2011	2012	2013	2014	सितंबर, 2015
क्रोएशिया का निर्यात (वर्ष दर वर्ष परिवर्तन - प्रतिशत में)	22.00 यूरो (-) 10.02 प्रतिशत	16.51 यूरो (-) 24.95 प्रतिशत	6.82 यूरो (-) 58.7 प्रतिशत	13.50 यूरो 97.95 प्रतिशत	14.22 यूरो 36.33 प्रतिशत
क्रोएशिया का आयात (वर्ष दर वर्ष परिवर्तन - प्रतिशत में)	120.36 यूरो 26.68 प्रतिशत	64.16 यूरो (-) 46.7 प्रतिशत	72.67 यूरो 13.7 प्रतिशत	88.19 यूरो 21.34 प्रतिशत	79.8 यूरो 20.30 प्रतिशत
कुल व्यापार (वर्ष दर वर्ष परिवर्तन - प्रतिशत में)	142.36 यूरो (-) 19.16 प्रतिशत	80.67 यूरो (-) 43.33 प्रतिशत	79,49 (-) 1.5 प्रतिशत	101.69 यूरो 27.91 प्रतिशत	97.02 यूरो 26.4 प्रतिशत

(स्रोत : क्रोएशियाई केन्द्रीय सांख्यिकी ब्यूरो)

11. जैसा कि 2016 से क्रोएशिया के मंदी के दौर से बाहर निकल जाने की संभावना है, हमारे द्विपक्षीय व्यापार में भी वृद्धि होने की उम्मीद है। वर्ष के लिए विकास की संभावना वाले क्षेत्रों में ट्रेड फेयर में भागीदारी, क्रेता – विक्रेता बैठकों, सेक्टर विशिष्ट ट्रेड शो, सेमिनार आदि के आयोजन के रूप में एक मजबूत बाजार विस्तार अभियान की योजना बनाई गई है।

12. जहां तक निवेश संवर्धन का संबंध है, भारत सरकार की सामाजिक – आर्थिक स्कीमों जैसे कि मेक इन इंडिया, स्मार्ट शहर, डिजीटल इंडिया आदि में अनकी अधुनातन प्रौद्योगिकी एवं निवेश के माध्यम से हमारा साझेदार बनने के लिए क्रोएशिया को प्रोत्साहित करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे न केवल भारत में अपितु दक्षिण – पूर्व एशिया, मध्य एशिया एवं अफ्रीका में भी निर्यात के लिए उनके लिए महत्वपूर्ण बाजारों के दरवाजे खुलेंगे। हालांकि क्रोएशिया की अर्थवयवस्था अपेक्षाकृत छोटी है तथा एफ डी आई की संभावनाएं सीमित हैं, अवसरंचना, पर्यटन, पोत निर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा, कृषि प्रसंस्कारण, आई टी एवं ट्राम प्रौद्योगिकी जैसे पूरक क्षेत्रों में साझेदारियों की संभावना है। ऐसी सूचना भी है कि एड्रियाटिक तट में क्रोएशिया में तेल एवं गैस के भंडार हैं जो हमारे हित में होगा।

13. साथ ही, मिशन क्रोएशिया में अपने आपको स्थापित करने के लिए भारतीय कंपनियों को प्रोत्साहित कर रहा है क्योंकि यह न केवल पश्चिमी यूरोप के लिए अपितु बहुत कम ज्ञात बाल्कान बाजार के लिए भी गेटवे के रूप में काम कर सकता है, जिसकी अनुमानित आबादी 20 मिलियन से अधिक है। वस्त्र, गारमेंट, भेषज पदार्थ, रसायन, लेटर एवं फुटवियर एवं वाहन के क्षेत्रों में सितंबर 2015 में मिशन द्वारा प्रारंभिक बाजार अध्ययन कराए गए तथा भारत के शीर्ष चैंबरों के साथ साझा किया गया। भारत में यूरोपीय संघ के वाणिज्य चैंबर के नेतृत्व में एक 11 सदस्यीय शिष्टमंडल ने 1 और 2 जून को जगरेब का दौरा किया तथा क्रोएशिया के चैंबर ऑफ इकोनॉमी के साथ व्यापार संवर्धन एवं निवेश के लिए एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए। क्रोएशिया – भारत व्यवसाय मंच का भी आयोजन किया गया। अब तक केवल दो भारतीय भेषज कंपिनयों ने क्रोएशिया में निवेश किया है – ए सी जी बर्ल्ड वाइड जिसने 2007 में क्रोएशिया की कंपनी लुकैप्स का अधिग्रहण किया और सिपला जिसने 2013 में क्रोएशिया की कंपनी सेलीरिस का अधिग्रहण किया था। हमने क्रोएशिया की कंपनियों में, विशेष रूप से लघु एवं मध्यम क्षेत्र में शेयरों की तलाश करने के लिए अन्य भारतीय कंपनियों को प्रोत्साहित करना जारी रखा है, जिनके पास नवाचारी प्रौद्योगिकी तो है परंतु इस समय पूंजी एवं बाजारों के अभाव के कारण पूर्ण क्षमता हासिल करने में असमर्थ हैं।

14. जहां तक आयुर्वेद के संवर्धन का संबंध है, 2015 में दूतावास में एक आयुर्वेद प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। आयुर्वेद को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न शहरों में प्रमुख कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

सांस्कृतिक सहयोग :

15. जून 2010 में भारत और क्रोएशिया ने 2010 से 2012 के लिए संस्कृति के क्षेत्र में सहयोग के लिए एक कार्यक्रम पर हस्ताक्षर किया, जो इस समय वार्ता के अधीन है। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आई सी सी आर) की छात्रवृत्तियों के तहत तथा स्व वित्त पोषण के आधार पर भी भारत के प्रतिष्ठित विद्यालयों में क्रोएशिया के अनेक छात्रों ने भारतीय शास्त्रीय नृत्य के अनेक रूपों को सीखा है। आई सी सी आर ने 2009 में जगरेब विश्वविद्यालय के इंडोलॉजी विभाग में एक हिंदी चेयर की स्थापना की। इंडोलॉजी विभाग 50 साल से अधिक समय से काम कर रहा है तथा न केवल क्रोएशिया में अपितु इस क्षेत्र में भी संस्कृत एवं हिंदी भाषा के संवर्धन के लिए प्रमुख वाहन है। इंडोलॉजी विभाग में संविधान दिवस के साथ ही 26 नवंबर 2015 को वार्षिक हिंदी दिवस

मनाया गया। कार्यक्रम के अंग के रूप में छात्रों के समक्ष हिंदी कविता, लघु निबंध, लघु नाटक तथा बालीवुड संगीत एवं नृत्य प्रस्तुत किए गए।

16. वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम "भारतीय संस्कृति के दिन" के 7वें संस्करण का आयोजन 15 अप्रैल से 5 मई 2015 के दौरान जगरेब में किया गया जो भारतीय संस्कृति के विभिन्न पहलुओं के लिए समर्पित था। वर्ष 2015 के दौरान जगरेब तथा अन्य शहरों में विभिन्न सेमिनारों, व्याख्यानों, कार्यशालाओं, प्रदर्शनियों आदि का आयोजन किया गया तथा वृत्त चित्र दिखाए गए। 22 मई से 5 अप्रैल 2015 के दौरान बी के बहल के फोटोग्राफ के एक संग्रह जिसका शीर्षक 'चर्चेज इन गोवा' था, को यूरोप हाउस, जगरेब में प्रदर्शित किया गया।

17. योग सेमिनार एवं कार्यशालाओं के आयोजन के माध्यम से जगरेब एवं अन्य प्रमुख शहरों में स्थानीय साझेदारों के साथ मिलकर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आई वाई डी) (21 जून, 2015) मनाया गया। (क्रोएशिया ने 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में अपनाने के लिए संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत के संकल्प का समर्थन किया था)।

18. दूतावास ने क्रोएशिया के हिंदू समाज की विभिन्न गतिविधियों में उसका समर्थन किया, जो देश 1984 से सक्रिय है तथा इसके लगभग 1,000 सदस्य हैं। अन्य सोसायटियों जैसे कि आर्ट्स ऑफ लीविंग, इस्कॉन और एस ए आई सेंटर को भी दूतावास का समर्थन मिलता है।

19. सांस्कृतिक आउटरिच के अंग के रूप में आई सी सी आर द्वारा प्रायोजित दो सांस्कृतिक मंडलियों अर्थात मयूरभंज चाऊ नृत्य मंडली (26 और 27 सितंबर, 2015) और पंडित नित्यानंद हल्दीपुर बांसुरी वादन (19 से 22 सितंबर, 2015) की मेजबानी की गई।

20. पदाधिकारियों के नामांकन के साथ 13 अक्टूबर, 2015 को एक आई टी ई सी एल्यूमिनी एसोसिएशन का गठन किया गया। उम्मीद है कि यह एसोसिएशन सभी क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंध को आगे बढ़ाने में एक विश्वसनीय साझेदार बनेगा।

21. दीवाली के अवसर पर दूतावास ने 14 नवंबर, 2015 को जगरेब में सभी धर्मों के प्रमुखों की भागीदारी के साथ एक अंतर धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया, जो अपनी तरह का पहला कार्यक्रम था। पेरिस आतंकी हमलों की पृष्ठभूमि से बाहर निकलकर संदेश यह था कि बुराई पर अच्छाई की जीत होती है, निराशा पर आशा की जीत होती है और सहिष्णुता, शांति एवं सौहार्द्र बढ़ता है।

भारतीय समुदाय :

22. क्रोएशिया में भारतीय समुदाय का बहुत छोटा है। लगभग 40 भारतीय हैं जिनमें से 15 से 20 पी आई ओ / एन आर आई हैं। केवल कुछ छोटे-मोटे कारोबार करते हैं, कुछ शैक्षिक एवं आई टी संस्थाओं में हैं और शेष गृहिणियां हैं जिन्होंने क्रोएशिया के नागरिकों, कुक आदि से शादी की हैं।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, जगरेब की वेबसाइट :
http://www.indianembassy.hr

भारतीय दूतावास, जगरेब का फेसबुक पेज :
https://www.facebook.com/IndiainCroatia/

*****

जनवरी**, 2016**